सलामे मोहम्मदी ﷺ

चहल मीम ग़ैर मन्क़ूत 18

मुरत्तिब

मोहम्मद अज़ीज़ सुल्तान नाचीज़

۷۸۶   ۹۲

सलामे मोहम्मदी ﷺ
चहल मीम ग़ैर मन्कूत़

18

۷۸۶/۹۲

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

مَعَ اسۡمِ اللهِ الۡمَلِكِ السَّلٰمِ

ص م ح م د لی اللہ علیہ وسلم
ص ح م د م لی اللہ علیہ وسلم
ص م د م ح لی اللہ علیہ وسلم
ص د م ح م لی اللہ علیہ وسلم

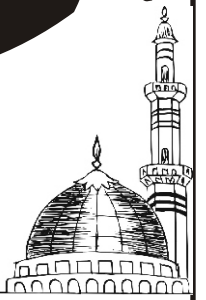

اس نقش کو دیکھنے والے کی
ہر مشکل حل ہو گی انشاء اللہ

मुरत्तिब

बमौक़ा शअ़बान 1438हि0
बफ़ैज़े रूहा़नी सय्यिदुना मोहयुद्दीन
व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व ह़ज़रात
मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم
मोह़म्मद अ़ज़ीज़ सुल्त़ान नाचीज़

सलामे मोहम्मदी ﷺ
चहल मीम ग़ैरमन्कूत़ (18)

मअ़स्मिल्लाहिल मालिकिस्सलामि अल्हम्दु लिल्लाहि मौलाई हुवल्लाहु इलाहुन अ़लीयुन दाइमुम्मोअ़ति़न लाइलाह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर रसूलुल्लाहि अल्लाहु ला इलाह इल्लाहुवल हादिल वालि ला इलाह इल्लल्लाहु स़ल्लि वसल्लिम दाइमन अ़ला मौलाई व मौलल मक्कीयि वल ह़र मीयि व कुल्लिलआ़लमि व मद्दआ लिअ़लीयिन हुवल मौला व इस्मुहू ह़ाम्मीम व ह़ामिदूँ व मह़मूदूँ व अह़मदु व त़ा सीम्मीम व मुह़म्मदुर रसूलुल्लाहि वस़ा र वालिदुहू औसअ़लवालिदि

वउम्मुहू औसअ़लउम्मि वआलुहू औसअ़लआलि वअ़ला वालिदिही व उम्मिही व आलिही वलमौला अ़लिय्यिवँ व वलदै अ़लिय्यिवँ व उम्मिहिमा व मुह़यिल इस्लामि व आलिही व वालिल इस्लामि व आलिही व अह़ म द व लिय्यिल्लाहि वह़वारिय्यि वलिय्यिल्लाहि वआलिही वकुल्लि उममि रसूलिल्लाहि कुल्लल ह़ालि ।

मुराद अल्लाह के इस्म के सहारे कि वही मालिक व सलामी वाला है। सारी ह़म्द अल्लाह के लिए है हमारा मौला वह अल्लाह है कि इलाह है अअ़ला है दवाम वाला है कमाले अ़ता वाला है वाह़िद अल्लाह ही इलाह है मोह़म्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है अल्लाह है वाह़िद वही इलाह है वह हादी है मददगार है वाह़िद अल्लाह ही इलाह है दाइमी दुरूदो सलाम हमारे

मौला के लिए वारिद है मक्का वाले और ह़रम वाले और सारे आ़लम के मौला के लिए हो और इस अम्र के दाई़ के लिए हो कि अ़ली मौला है और उस मौला का इस्म ह़ाम्मीम है ह़ामिद व मह़मूद और अह़मद है और त़ा सीम्मीम है और मोह़म्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है और उस रसूल के वालिद कमाल समाई वाले हुए सारे वालिद से और माँ सारी माओं से और आलो औलाद सारी आलो औलाद से और (दुरूदो सलाम) उस रसूल के वालिद के लिए हो और माँ के लिए हो और आल के लिए हो, मौला अ़ली के लिए हो, मौला अ़ली के लाडलों के लिए हो और मौला अ़ली के लाडलों की वालिदह के लिए हो, इस्लाम के मुह़यी के लिए हो और आल के लिए हो, इस्लाम के मददगार के लिए हो और आल के लिए हो और अह़मद वलीयुल्लाह के लिए हो और वलीयुल्लाह के हम दमों के लिए हो और आल के लिए हो, अल्लाह के रसूल की सारी उमम के लिए हो हर दम ।

तौज़ीह़ी तर्जमाः- अल्लाह के इस्म के साथ जो मालिक है सलामती देने वाला है तमाम तअ़रीफ़ अल्लाह के लिए है मेरा मौला वह अल्लाह है जो मअ़बूद है बुलंदी वाला है हमेशगी वाला है और ख़ूब अ़त़ा करने वाला है अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं अल्लाह है उस के सिवा कोई मअ़बूद नहीं वही हिदायत देने वाला है वही मददगार है अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं तू ख़ूब ख़ूब दाइमी दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा मेरे मौला पर मक्का वालों और ह़रम वालों के मौला पर और सारे आ़लम के मौला पर और उस ज़ात पर कि जिसने अ़ली को मौला कहा आप ﷺ का इस्मे पाक हाम्मीम है ह़ामिद व मह़मूद और अह़मद है त़ा सीम्मीम और मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं कि जिनके वालिद (सय्यिदुना अ़ब्दुल्लाह रदि़यल्लाहु अ़न्हु)तमाम वालिद में सब से ज़्यादा कुशादगी वाले हैं और जिनकी माँ (बी बी

आमिना रदि़यल्लाहु अ़न्हा) तमाम माओं में सबसे ज़्यादा कुशादगी वाली हैं और जिनकी आलोऔलाद तमाम आलो औलाद में सबसे ज़्यादा कुशादगी वाले हैं और (दुरूदोसलाम नाज़िल हो)आपﷺके वालिद पर और आपﷺकी वालिदह पर और आल पर, ह़ज़रत मौला अ़ली रदि़यल्लाहु अ़न्हु पर और मौला अ़ली के दोनों लाडलों इमामे ह़सन व इमामे हुसैन अ़लैहिमस्सलाम पर और ह़स्नैन करीमैन की वालिदह ख़ातूने जन्नत सय्यिदह बीबी फ़ातेमा ज़हरा रदि़यल्लाहुअ़न्हा पर और दीन के ज़िन्दा करने वाले मुह़युद्दीन सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रदि़यल्लाहुअ़न्हु पर आप की आल पर और दीन के मददगार ख़्वाजा मोईनुद्दीन ह़सन सन्जरी पर आप की आल पर और ह़ज़रत मख़्दूम सय्यिद अह़मद वलीयुल्लाह पर आप के अस्ह़ाबे रूह़ानी पर और आल पर, और अल्लाह के रसूल के सारे उम्मतियों पर हर दम ।

फ़ज़ीलते सलामे मोहम्मदी ﷺ चहल मीम ग़ैर मन्कूत़(18)

यह "सलामे मोहम्मदी ﷺ चहल मीम" जो कि 40 मीम के साथ बेग़ैर नुक़्ते वाले हुरूफ़ पर मुश्तमिल है इस का तर्जमा भी ग़ैर मन्कूत़ है जिस को समझने के लिए तौज़ीही तर्जमा शामिल है जो शख़्स इस दुरूद को रोज़ाना 100/11/5 बार पढ़ने का अपना मअ़मूल बनाएगा उसे अल्लाहो रसूल की खुश्नूदी ह़ासिल होगी और उसे सेह़तो सलामती ह़ासिल होगी और वह तमाम महीनों व बिल्खुसूस़ माहे शअ़बान के अन्वारो बरकात से नवाज़ा जाएगा और ह़ज़रत मौला अ़ली रदियल्लाहु अ़न्हु के बाबे इल्मो ह़िक्मत की मअ़रिफ़त से नवाज़ा जाएगा और वह मुस्तजाबुद्दअ़वात होगा नीज़ उसे अहले बैत की शफ़्क़तो मोह़ब्बत ह़ासिल होगी और उनका दीदार नसीब होगा ईमान पर ख़ातेमा होगा । इन्शाअल्लाहु तआ़ला।

آستانہ حضرات مخدومین سادات چودھوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الہ آباد

www.syed14peer.com